JAGRAN CITY PAGE III

लोकतंत्र भारतीय समाज का जीवन रक्त : डा. सहस्रबुद्धे

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के अंग्रेजी और आधुनिक यूरोपीय भाषा विभाग की ओर से शनिवार को छात्र संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आइसीसीआर) के अध्यक्ष डा. विनय सहस्रबुद्धे उपस्थित रहे।

उन्होंने राष्ट्रों के बीच सांस्कृतिक संबंधों की भूमिका पर बात करते हुए अंतरसंस्कृति संवाद की स्थापना पर बल दिया। कहा कि भारत एक जीवंत लोकतंत्र है, इसलिए नहीं कि अंग्रेजों ने यहां लोकतंत्र स्थापित किया, बल्कि इसलिए कि लोकतंत्र भारतीय समाज का जीवन रक्त है। साथ ही 'वसुधैव कुटुम्बकम' के दर्शन पर वैश्वीकरण के परिप्रेक्ष्य में कुछ सुझाव भी दिए।

डा. विनय ने अकादमिक ऊर्जावान नेतृत्व, वैश्वीकरण, शिक्षा आदि विषयों पर छात्रों के साथ संवाद किया। राजनीति विज्ञान के एक छात्र ने डा. सहस्रबुद्धे से वैश्वीकरण पर उनके विचारों पर सवाल किया, जवाब में उन्होंने कहा कि वैश्वीकरण को हमेशा उस संदर्भ में अपनाया जाना चाहिए, जहां यह सांस्कृतिक मूल्यों को भी बरकरार रखने की अवधारणा का पालन करता है। कार्यक्रम में अंग्रेजी एवं यूरोपीय भाषा विभाग की अध्यक्ष प्रो. मैत्रेई प्रियदर्शिनी, डीन स्टूडेंट वेलफेयर प्रो. पूनम टंडन, निदेशक अंतरराष्ट्रीय सहयोग प्रो. आरपी सिंह, अर्थशास्त्र विभाग के प्रमुख प्रो. मनोज अग्रवाल उपस्थित रहे।

लवि कुलपति सम्मानित

लखनऊ : उत्तर प्रदेश ड्रग मैन्युफैक्चरिंग एसोसिएशन के संरक्षक वीर अंजनी सक्सेना एवं उत्तर प्रदेश फार्मेसी ग्रेजुएट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष ने लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय को सम्मानित किया। यह सम्मान उन्हें लखनऊ यूनिवर्सिटी इंस्टिट्यूट आफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज स्थापित करने के लिए दिया गया। (जासं)

लवि में अंग्रेजी के प्रोफेसर रवीन्द्र प्रताप सिंह के काव्य संग्रह एक अनंत फैला आकाश का विमोचन भारतीय भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद के अध्यक्ष डा. विनय सहस्रबुद्धे एवं कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने किया ● सौजन्य से लवि

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

प्रो. रवींद्र की पुस्तक 'एक अनंत फैला आकाश' का विमोचन

लखनऊ। लविवि में अंग्रेजी विभाग के प्रो. रवींद्र प्रताप सिंह के काव्य संग्रह 'एक अनंत फैला आकाश' का विमोचन शनिवार को भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) के अध्यक्ष डॉ. विनय सहस्त्रबुद्धे व लविवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने किया। प्रो. आरपी सिंह ने बताया कि यह काव्य संग्रह मानवीय संवेदना और सामाजिक व्यवस्थाओं का हिस्सा बने मानव संस्कृति की काव्यांजलि है। डीन स्टूडेंट वेलफेयर प्रो. पूनम टंडन, अंग्रेजी विभागाध्यक्ष प्रो. मैत्रेई प्रियदर्शिनी मौजूद रहीं। (माई सिटी रिपोर्टर)

लविवि के कुलपति का किया सम्मान

लखनऊ। उत्तर प्रदेश ड्रग मैन्युफैक्चरिंग एसोसिएशन के संरक्षक वीर अंजनी सक्सेना व उत्तर प्रदेश फार्मेसी ग्रेजुएट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष ने राजधानी के पहला इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज स्थापित करने के लिए लखनऊ विवि के कुलपति प्रो. अलोक कुमार राय का सम्मानित किया। (माई सिटी रिपोर्टर)

SWATANTRA BHARAT PAGE 5

एलयू छात्रों के साथ भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद के अध्यक्ष का संवाद

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। राजधानी स्थित एलयू के अंग्रेजी और आधुनिक यूरोपीय भाषा विभाग द्वारा आयोजित छात्र संवाद में भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद ,आईसीसीआर के अध्यक्ष डॉ. विनय सहस्त्रबुद्धे ने छात्रों के साथ संस्कृति, राष्ट्र, अंतर्राष्ट्रीयता एवं वैश्वीकरण जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई। निदेशक अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और अंतर्राष्ट्रीय छात्र सलाहकार प्रो. आर पी सिंह ने अध्यक्ष और अतिथियों का स्वागत करते हुए डॉ. सहस्त्रबुद्धे के विषय में बताया। डॉ. सहस्त्रबुद्धे ने राष्ट्रों के बीच सांस्कृतिक संबंधों की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए अंतर्संस्कृति संवाद की स्थापना पर बल देते बताया कि भारत एक जीवंत लोकतंत्र है, इसलिए नहीं कि अंग्रेजों ने यहां लोकतंत्र स्थापित किया, बल्कि इसलिए कि लोकतंत्र भारतीय समाज का जीवन रक्त है। उन्होंने भारतीय सांस्कृतिक परिवेश में आध्यात्मिक लोकतंत्र के विचार पर भी चर्चा की। इस अवसर पर वसुधैव कुटुम्बकम के दर्शन की चर्चा करते हुए उन्होंने वैश्वीकरण के परिप्रेक्ष्य में कुछ सुझाव भी दिए एवं छात्रों के प्रश्नों का उत्तर देते हुए उन्होंने अकादमिक, ऊर्जावान नेतृत्व, वैश्वीकरण, शिक्षा आदि विषयों पर संवाद किया। मॉरीशस की नागरिक एवं एलयू की छात्रा नंदिनी जूमक ने भारत में रहने और यहाँ अध्ययन करने के अपने अनुभव साझा किये। वही राजनीति विज्ञान के छात्र इस्कंदर ने डॉ. सहस्त्रबुद्धे से वैश्वीकरण पर उनके विचारों के बारे में प्रश्न करने पर उन्होंने बताया कि वैश्वीकरण को हमेशा उस संदर्भ में अपनाया जाये जहां यह सांस्कृतिक मूल्यों को भी बरकरार रखने की अवधारणा का पालन करता है। वीए ऑनर्स छात्र अधिराज द्विवेदी ने सहस्त्रबुद्धे से पूछा कि छात्रों में बेहतर नेतृत्व क्षमता विकसित करने के लिए क्या करना चाहिए और इस दिशा में उन्हें कैसे प्रशिक्षित किया जाए। डॉ. विनय सहस्त्रबुद्धे ने कुछ सवालों के जवाब देते हुए नई शिक्षा नीति के व्यापक महत्व और वर्तमान परिदृश्य में इसके निहितार्थ पर प्रकाश डाला। जहां यह उच्च शिक्षा से संबंधित विविध दृष्टिकोणों जैसे इंक्लूसिव कक्षाओं और नई शिक्षण विधियों को शामिल करने में उपयोगी है। अंग्रेजी एवम यूरोपीय भाषा विभाग की अध्यक्ष प्रो. मैत्रेई प्रियदर्शिनी ने वार्ता के दौरान अंग्रेजी के पाठ्यक्रम में भारतीय ज्ञान परंपरा पर निर्मित पाठ्यक्रम पर प्रकाश डाला और धन्यवाद प्रस्ताव ज्ञापित किया। कार्यक्रम में डीन स्टूडेंट वेलफेयर प्रो पूनम टंडन , निदेशक अंतर्राष्ट्रीय सहयोग प्रो आर पी सिंह, अर्थशास्त्र विभाग के प्रमुख प्रो. मनोज अग्रवाल, अंग्रेजी विभाग के शिक्षक ,छात्र एवं शोधार्थी उपस्थित थे।

HINDUSTAN TIMES PAGE 6

Democracy is the life blood of India: ICCR chief at LU

HT Correspondent
letters@htlive.com

LUCKNOW: Indian Council of Cultural Relations (ICCR) president Vinay Sahasrabuddhe spoke on democratic value and Indian tradition during his visit to the Lucknow University's (LU) department of English and Modern European Languages on Saturday.

Reiterating the importance of country's cultural values, the ICCR president also referred to the ancient knowledge and polity system and discussed altruistic values and humanism as the cult of Indian milieu.

During the student interface, he highlighted the role of cultural relations between nations in bridging the gap and making the world a better place to live in. The ICCR president described India as a vibrant democracy. "This is not because of the fact that British set the system here. It is because democracy is the life blood of the Indian society," he said. He also elaborated upon the idea of spiritual democracy which India upholds, the experience of India and Indian-ness and also talked about the philosophy of 'Vasudhaiv Kutumbkam'.Answering queries of scholars and students, he focused on the idea of academic management and leadership.

Nandini Joomuck, an international student enrolled with LU, expressed gratitude on her experience of living and studying in India. She expressed how the Indian curriculum and setup is so welcoming for her and welcomed the Indian students to visit Mauritius for studying. Iskandar, a LU student from Tajikistan sought to know about the challenges of globalisation.

HINDUSTAN PAGE 8

लविवि में हुआ पत्रिका का विमोचन

फार्मेसी संस्थान के लिए एलयू कुलपति सम्मानित

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय संस्कृत तथा प्राकृति भाषा विभाग की ओर से स्वर्गीय प्रोफ़ेसर पद्मश्री बृजेश कुमार शुक्ल के जन्मदिन के अवसर पर संस्कृत वांगमयी(आचार्य द्वय स्मृति विशेषांक) पत्रिका के लोकार्पण किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कला संकाय की अधिष्ठाता प्रोफ़ेसर प्रेम सुमन शर्मा के द्वारा किया गया जिसमें मुख्य वक्ता प्रोफ़ेसर राम सुमेर यादव जी ने पत्र-पत्रिकाओं के महत्व पर विस्तृत व्याख्यान दिया। इस मौके पर डॉ प्रयाग नारायण मिश्र एवं प्रोफ़ेसर हरिशंकर मिश्र सहित कई अन्य प्रोफ़ेसर मौजूद थे।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश ड्रग मैन्युफैक्चरिंग एसोसिएशन और उत्तर प्रदेश फार्मेसी ग्रेजुएट्स एसोसिएशन की ओर से लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय को सम्मानित किया गया। लखनऊ में प्रथम फार्मेसी ग्रेजुएट सरकारी संस्थान इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्टिकल साइंसेज स्थापित करने के लिए प्रो. आलोक कुमार राय को उनके कार्यालय पर सम्मानित किया गया।

TOI PAGE 4

ICCR chief shares true values of democracy with LU students

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: Rajya Sabha MP and the president of the Indian Council for Cultural Relations (ICCR) Vinay Sahasrabuddhe made Lucknow University students understand the true values of democracy during an interactive session organized by the department of English and Modern European Languages on Saturday.

"India is a vibrant democracy not because of the fact that the British colonized and set the system here but because democracy is the lifeblood of Indian society. India is a land of spiritual democracy where we treat the entire global community as our family by firmly believing in the thought of Vasudhaiva Kutumbakam, the world is one family," said Sahasrabuddhe.

MP Vinay Sahasrabuddhe with LU students

He told students that at the end of the week they should ask themselves a question whether they are improving or not and if they are improving, is it in a positive way or negative way. This self-introspection is sufficient to make them responsible citizens, he added.

TARUN MITRA PAGE 19

बापू ने राम के जीवन को आत्मसात किया : प्रो. मनोज

लखनऊ, 01 अक्टूबर (तरुणमित्र)। गांधी स्वयं अपने गुरु थे। वे प्रयोग स्वयं पर करते थे। उन्होंने कभी राम की पूजा नहीं की, लेकिन राम को जीवन में आत्मसात किया। लाल बहादुर शास्त्री के जीवन में गांधी तत्व था। गीता को निष्काम पद्धति पर प्रक्रिया का आनंद लें, परिणाम की चिंता ना करें।

आज आवश्यकता है कि हम गांधी के किसी भी एक तत्व को अपने जीवन में उतारें। यह उद्गार शनिवार को नवयुग कन्या महाविद्यालय और प्रो. शारदा प्रसाद तिवारी मेमोरियल ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित संगोष्ठी में प्रो मनोज दीक्षित (विभागाध्यक्ष), लोक प्रशासन विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय ने व्यक्त किये।